आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:19-12-14

सारी सृष्टि चक्र के ड्रामा के बहुत सारे राज (razz) हम बच्चों को बताकर हमें सर्व-परिस्थिति ओ में अचल-अड़ोल और बेफिक्र बादशाह बनाने वाले, बेहद के बाप ने कहा, मीठे बच्चे - तुम्हें बाप ने इस बेहद के अनादि ड्रामा की ऐसी समझ दी है, जिससे तुम्हारी बुद्धि पर जो गॉडरेज का ताला लगा था वह खुल गया. पत्थरबुद्धि से पारसबुद्धि बन गये. बाप ने समझ दी है कि इस ड्रामा में हर एक ऐक्टर का अपना-अपना अनादि पार्ट है, जिसने कल्प पहले जितना पढ़ा है, वह अभी भी पढ़ेंगे. पुरुषार्थ कर अपना वर्सा लेंगे.

बाबा ने इस बेहद के सृष्टि चक्र रुपी ड्रामा का एक और राज (razz) आज हम बच्चों को समझाते हुए कहा कि इस ड्रामा में हर एक ऐक्टर का अपना-अपना अनादि पार्ट है, जिसने कल्प पहले जितना पढ़कर यह ज्ञान अपने में धारण किया होगा वह उतना ही धारण करेंगे. फिर उनको वर्सा भी उतना ही मिलेगा. यह बात हमें सिखलाती है कि किसी का भी पार्ट कैसा भी हो, कोई आज ज्ञान में बहुत अच्छा चल रहा हो और फिर वही आत्मा विकार में चली जायें तो उस को देखकर मुझे अपनी स्थिति चलायमान नहीं करनी हैं. मेरे सामने कोई भी सीन (scene) आये लेकिन यह बात बुद्धि में रहे कि हर एक आत्मा का अपना-अपना अनादि पार्ट है, जिसने कल्प पहले जैसा पार्ट बजाया होगा अभी वही पार्ट फिर से रिपिट कर रहे हैं. मुझे अपना पार्ट अगले कल्प में श्रेष्ठ बनाना ही हैं.

बाबा की अन्य मुरलीओं से लिए गये, इस बेहद के ड्रामा के अन्य राज (razz), जिसको याद में रखने से हमें अपना पार्ट श्रेष्ठ बनाने में मदद मिलेगी.

- यह ड्रामा बड़ा एक्युरेंट हैं या कहे यह ड्रामा मेरे लिए बहुत-बहुत कल्याणकारी हैं. – बाबा ने कहा है कि हम भाग्यशाली आत्माये कल्प के सारे सृष्टि चक्र में तीन-चौथाई हिस्सा (3/4 part), सतयुग-त्रेतायुग-द्वापर ऐसे तीन युग बहुत सुखी रहते हो. ये पाईन्ट हमें बेहद की खुशी देता है और बेफिक्र भी बनाता हैं.

- ड्रामा हर 5000 वर्ष एक्युरेंट रिपिट होता हैं. ---> ये पाईन्ट हमें सिखाता हैं, अभी जो कर्म करेंगे, वही कर्म ड्रामा के अगले साइकिल में भी करेंगे, तो अब हमें अपना हर कर्म श्रेष्ठ करना ही हैं. बाकी रहा हुआ ड्रामा में हमारा कोई भी पार्ट चले, दुखी नहीं होना हैं.

- इस बेहद के ड्रामा में सब आत्माये नम्बरवार पार्ट बजाने आते हैं. ड्रामा में पार्टधारी आत्माओं के नम्बर में फर्क नहीं हो सकता. -- ये पाईन्ट हमें क्यू-क्या के प्रश्नों से उपराम कर देता हैं.

- ड्रामा टिक-टिक जुई मिसिल चलता हैं. -- यह पाईन्ट हमें इस त्याग और तपस्या के मार्ग पर चलते धैर्यता सिखाता हैं.

- ड्रामा हर सेकेण्ड चेईन्ज होता हैं. -- यह पाईन्ट हमें साक्षी हो कर ड्रामा को देखना सिखाता हैं. अचानक के समय पर ये पाईन्ट हमें अचल-अडोल रहना सिखाता हैं.

- ड्रामा अंतिम चरण में हैं. यह पुरानी दुनिया अब विनाश होनी है, अब हम अपने बाबा के पास जाते है फिर सतयुग में आयेंगे. -- यह पाईन्ट हमारी बुद्धि को उपराम बना देता है, बेहद का वैराग्य सिखाता हैं. पुरानी दुनिया से नाता तोड़ नयी दुनिया से जोड देता हे. यह पाईन्ट हमारी स्थिति भी एवर-रेडी (सदा-तैयार) बनाता हैं.

- ड्रामा में हर एक आत्मा का अपना-अपना अनादि पार्ट हैं. - यह पाईन्ट हमें दूसरों का पार्ट देखकर हमारी अवस्था को चलायमान नहीं होने देगा. मुझे अपने बारह नाखूनों के झोर से पुरुषार्थ कर अपना भाग्य श्रेष्ठ बनाना ही हैं.

ॐ शांति.